

गुजरात

अनिल शांतिलाल मुले
प्रधानाध्यापक

महर्षि नागार्जुन प्राथमिक स्कूल २३६, शिवाजी नगर, लिम्बायत, सूरत

सन्दर्भ

यह एक नगरीय क्षेत्र का कन्या विद्यालय है जहाँ हर वर्ग, समुदाय एवं प्रान्त के परिवारों की बालिकाएं पढ़ने आती हैं। विद्यालय में पढ़ने वाली बालिकाओं के परिवारों की आजीविका का साधन मुख्यतः कपड़ा मीलों से जुड़ा है।

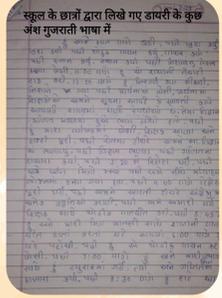
चुनौतियाँ

- शिक्षण- अधिगम प्रक्रियाएं रटने पर आधारित थी
- मौलिक विचारों की अभिव्यक्ति शिक्षण पद्धति से भिन्न मानी जाती थी
- चार वाक्यों में स्वयं के मौलिक विचारों को प्रस्तुत करना बच्चों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गयी थी
- बच्चों का कमजोर शब्दकोश, वाक्य बनाने का अज्ञान
- इस दिशा में नेतृत्व प्रयासों की काफी आलोचना हुई की अभिव्यक्ति कौशल पर काम करना पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है



नेतृत्व प्रयास

- बालिकाओं को अपनी दिनचर्या हर दिन लिखने के लिए प्रेरित किया
- उच्च प्राथमिक कक्षा ६-८ में डायरी लेखन का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया जिस में बालिकाओं को २०० पन्नों की एक पुस्तिका या डायरी में लिखने को कहा गया
- कक्षा ६-८ की १९८ बालिकाओं ने अपने साथ दिन भर की घटनाओं को क्रम में लिखने का कार्य शुरू किया
- कक्षा ३-५ में भी शब्दों का उपयोग कर वाक्य बनाने पर काफी जोर है, यही बच्चे आगे चलकर अच्छी डायरी लेखन करेंगे



परिणाम

- २०१९ में सी.आर.सी स्तर पर गणित, विज्ञान, पर्यावरण विषयों में विद्यालय की बालिकाएं निबंध एवं वक्तव्य स्पर्धा में प्रथम आये
- कला उत्सव अंतर्गत निबंध एवं वक्तव्य स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया
- अभिव्यक्ति कौशल से बालिकाओं के व्यक्तित्व में निखार आया



एक नेतृत्वकर्ता के रूप में विश्वास

जहाँ चाह वहाँ राह - अगर हम कुछ ठान ले तो सब कुछ संभव है

